केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 240 गुरूवार 21 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हादसे में घायल सफाईकर्मी की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। अयोध्या फोरलेन पर पिकौरा सानी के पास मंगलवार की देर शाम ट्रेलर की चपेट में आने से घायल हुए बाइक सवार सफाई कर्मचारी ने बुधवार की भोर में लखनऊ ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। मौत की सूचना गांव पहुंची तो कोहराम मच गया। घायल को गंभीर अवस्था में सीएचसी कप्तानगंज और जिला अस्पताल से लखनऊ के लिए रेफर कर किया गया था।

घटना 19 मार्च शाम तकरीबन 6 बजे कप्तानगंज थानाक्षेत्र के पिकौरा सानी कट के पास की बताई जा रही है। बताया जाता है कि अयोध्या से गोरखपुर की तरफ जा रहे ट्रेलर ने हरैया थानाक्षेत्र के कोदई गांव निवासी बाइक सवार मोतीलाल 38 पुत्र पथरू को ठोकर मार दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों ने घायल को निजी वाहन से सीएचसी कप्तानगंज में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। लेकिन उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी। इस वजह से जिला अस्पताल से भी लखनऊ ट्रामा सेंअर के लिए रेफर कर दिया गया। घायल हरैया विकासखंड में सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात था। लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मोतीलाल ने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना गांव पहुंची तो कोहराम मच गया। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया कि ट्रेलर कब्जे में है, चालक फरार है अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी

पात्रों को कोटे से नहीं मिल पा रहा है राशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती (आभा)। होली का त्योहार निकट है और गरीबों को सरकारी राशन की दुकान से नहीं मिल पा रहा । जिले में अभी हाल में कोटेदारों को नए प्रकार का डिजिटल इपोस मशीन उपलब्ध कराई गई है जो की इलेक्ट्रॉनिक कांटा बांट से कनेक्ट रहेगा जिससे नए मपास मशीन से कार्डधारी के अंगूठा लगाने पर अन्न खारिज किया जा सकेगा किंतु नए राशन वितरण मशीन में नेटवर्क नहीं चल रहा है जिससे गेंहू और चावल का वितरण नहीं हो पा रहा है।

बस्ती सदर के कोटेदारों से मिली जानकारी के अनुसार बस्ती सदर विकास खण्ड के ग्राम महरीपुर, दुबखरा, रानीपुर, गोटवा ,बेलाडी, पाकड़ डांड , गनेशपुर में समस्त सात आवंटित दुकानें है जहां पर किसी दुकान के इस नए ई पास मशीन में नेटवर्क कनेक्ट न होने पर राशन का वितरण नहीं हो पा रहा है , मरवटिया न्याय पंचायत 11 दुकानें आवंटित है इनमे भी किसी दुकान पर इपोस मशीन पर नेटवर्क न होने पर कोई नहीं चल पा रही है जिससे वितरण बाधित है महरीपुर न्याय पंचायत की समस्त दुकानों पर भी वही हाल हो रहा है जिससे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का अन्न्न वितरण नही हो पा रहा है नए पास मशीन मैं सर्वर नहीं हो रहा है कनेक्ट जिले के कोटेदार परेशान है सरकार के अगले 5 वर्ष मुक्त अनाज की योजना का नहीं मिल रहा गरीबों को मुफ्त राशन ,ऐसे ही हालत रही तो अबकी बार होली में गरीबों की हालत खस्ता रहेगी। लोग परेशान है। यही हाल रहा तो इस बार चुनावी मौसम में गरीब घरों में होली का त्यौहार फीका रहेगा।

दो मासूम बच्चों की हत्या का आरोपी साजिद पुलिस मुठभेड़ में ढेर

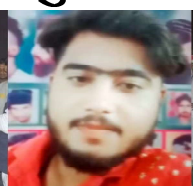

बदायूं (आभा)। बदायूं में दो मासूम बच्चों की हत्या के आरोपी साजिद के एनकाउंटर की मजिस्ट्रियल जांच होगी। डीएम मनोज कुमार ने एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच के लिए आदेश दिए हैं। डीएम ने सिटी मजिस्ट्रेट से जांच कर 15 दिन में जांच आख्या मांगी है। उधर, इस हत्याकांड में नामजद साजिद के भाई जावेद का अब तक कोई पता नहीं चला है। उसकी तलाश में पुलिस की चार टीमें लगी हुई हैं।

पुलिस मुठभेड़ में मारे गए साजिद के शव का पोस्टमार्टम बुधवार को कराया गया। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में साजिद को तीन गोलियां लगी थी। दो गोली उसके सीने में लगी हैं और एक गोली उसके पेट में साइड में लगी है। मुख्य हत्यारोपी के पोस्टमार्टम के दौरान पुलिस पीएससी मौजूद रही। उसके शव को पुलिस की सुरक्षा में ही गांव सखानू ले जाया गया। बताया जा रहा है कि सखानू के कब्रिस्तान में उसकी कब्र खोदी गई। वहीं उसके शव को दफन किया गया। आरोपी साजिद अलापुर थाना क्षेत्र के कस्बा सखानू का रहने वाला था। उसकी दुकान बाबा कॉलोनी निवासी ठेकेदार विनोद ठाकुर के घर के सामने सड़क के दूसरी ओर है। वह करीब दो साल से बाबा कॉलोनी में अपनी बाल काटने की दुकान चलाता था। विनोद की पत्नी संगीता अपने मकान के निचले हिस्से में ब्यूटी पार्लर चलाती हैं। इसके चलते साजिद का उनके घर आना जाना भी था।

मंगलवार रात संगीता तीन बच्चों आयुष (13), अहान (6) और पीयूष (8) के साथ घर पर थीं, जबकि विनोद लखीमपुर खीरी गए हुए थे। साजिद शाम चार बजे दुकान बंद करके चला गया था। इसके बाद वह वापस आया। उसने संगीता से पत्नी की डिलीवरी के लिए रुपयों की जरूरत बताकर पांच हजार रुपये मांगे। इसके बाद वह आयुष और अहान को लेकर छत पर चला गया, जहां चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार कर बच्चों की हत्या कर दी। भागते समय उसके हाथ में चाकू था। वारदात के तीन घंटे बाद पुलिस मुठभेड़ में वह मारा गया। पुलिस के मुताबिक उसने तमंचे से गोली चलाई थी। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी, जिससे उसकी मौत हो गई।

बदायूं के दो मासूम बच्चों की हत्या के मामले में जहां पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा हैं, वहीं, सियासी नेता अपनी नेतागिरी चमकने में जुट गए हैं। पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के लिये जनप्रतिनिधि पहुंच रहे हैं। परिवार से बातचीत कर पूरी मदद का अश्वासन दिया जा रहा हैं। वहीं, सपा के मीडिया सेल के एक्स हैंडल पर किए गए ट्विट पर भाजपाइयों ने निंदा जताई हैं। सपा के मीडिया सेल के हैंडल पर लिखा है कि बदायूं की घटना पूरी तरह से कानून व्यवस्था का फेल्योर हैं। जिसे सांप्रदायिक आधार देकर भाजपा सियासी फायदा उठाने का प्रयास कर रही हैं।

हाईवे पर कैमरा लगवाने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुयी। उन्होने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देशित किया है कि ओवर स्पीडिंग रोकने के लिए हाईवे पर कैमरा लगवाना सुनिश्चित करें। बस्ती एवं संतकबीर नगर से पॉच किलोमीटर एवं एक किलोमीटर पहले चिन्हॉकन बोर्ड लगवायें। उन्होने निर्देश दिया कि जनपद के दोनों टोलप्लाजा पर गैसकटर मशीन उपलब्ध कराये ताकि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल वाहन से निकाला जा सकें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि टोलप्लाजा से ओवरलोड वाहन की सूची एआरटीओ को उपलब्ध करायें।

उन्होने निर्देश दिया कि दुर्घटनाओं को कम करने के लिए नये सिरे से एक्शनप्लान तैयार किया जाय तथा रोड इंजीनियरिंग, दुर्घटना पर रैपिड रिस्पांस, गोल्डन आवर में बेहतर ट्रामाकेयर सुविधा, प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही तथा व्यापक जन जागरूकता सुनिश्चित की जाय। उन्होने निर्देश दिया कि जनपद के क्षेत्राधिकारी यातायात नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करे तथा दुर्घटनाओ का वास्तविक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने निर्देश दिया कि शासन द्वारा निर्धारित मानक आईएस 4151 मानक के अनुसार हेलमेट की ब्रिकी सुनिश्चित करायें। इसके लिए जॉच अभियान चलाये।

उन्होने निर्देश दिया कि संयुक्त शिक्षा निदेशक तथा सहायक निदेशक बेसिक कैम्प आयोजित कराकर विद्यालय के वाहनों का फिटनेस चेक करायें। लोकसभा निर्वाचन में इन बसों की आवश्यकता होगी। समीक्षा में उन्होने पाया कि बस्ती में 345, सिद्धार्थनगर में 244 तथा संतकबीर नगर में 187 बिना परमिट के स्कूली वाहन संचालित हो रहे है। इसी प्रकार बिना फिटनेस के बस्ती में 324, सिद्धार्थनगर में 200 तथा संतकबीर नगर में 116 वाहन संचालित हो रहे है। उन्होने तीनों जनपदों के एआरटीओ को कैम्प आयोजित कराकर 15 दिन में वाहन का फिटनेस तथा परमिट दिलायें।

उन्होने दुर्घटना में घायल व्यक्तियों का स्वैच्छिक मदद प्रदान करने वाले गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) को जिले एवं मण्डल स्तर पर पुरस्कृत कराने का निर्देश दिया। उन्होने हिट एण्ड रन दुर्घटना में सोलेशियम स्कीम के तहत दुर्घटना में मृत व्यक्ति के परिवार को रू0 2 लाख तथा गम्भीर घायल को रू0 50 हजार आर्थिक सहायता दिलाने का व्यापक प्रचार–प्रसार करने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि हिट एण्ड रन मामले में संबंधित उप जिलाधिकारी से समय से रिपोर्ट प्राप्त की जाय।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, एनएचएआई के नवागत पीडी ललित पाल, अपर निदेशक स्वास्थ्य डा. विनीता राव, डा. नीरज पाण्डेय, आरटीओ आरके शुक्ला, संयुक्त शिक्षा निदेशक डा. ओमप्रकाश, सहायक निदेशक बेसिक संजय कुमार शुक्ल, एआरटीओ पंकज सिंह, सुरेश कुमार मौर्या, प्रियम्बदा सिंह, हाईवे देवदूत प्रमोद ओझा, अधिक्षण अभियन्ता पीडब्ल्यूडी राजेश कुमार, अधिशासी अभियन्ता केशवलाल, एआरएम आयुष भटनागर तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

अचानक बिगड़ा मौसम, तेज हवाओं के बाद बारिश

लखनऊ (आभा)। यूपी के कई जिलों में मौसम अचानक बदल गया है। बुधवार को सुबह से बादल छाए थे। तेज हवाओं और गरज–चमक के बाद अब बारिश शुरू हो गई । मौसम विभाग ने दो दिन पहले ही इसकी भविष्यवाणी की थी। मौसम विज्ञानियों का कहना था कि बुधवार को यूपी में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलेंगी। मौसम में इस बदलाव के साथ पिछले कई दिनों से बढ़ती गर्मी देख रहे लोगों को सुबह से हल्की ठंड का एहसास हो रहा है।

लखनऊ मौसम केंद्र ने इसको लेकर दो दिन पहले भविष्यवाणी की थी। कई जिलों में तेज हवा और गरज चमक के साथ बूंदाबांदी से लेकर बारिश तक की भविष्यवाणी की गई थी। इस बीच आज यूपी के विभिन्न शहरों में न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस तक रहने की उम्मीद है। कल यानी गुरुवार को भी मौसम ऐसा ही रहने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि शुक्रवार से तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी। बुधवार की सुबह से गोरखपुर और आसपास के इलाकों में मौसम बदला हुआ है। बारिश हो रही है।

बारिश के बाद शुक्रवार से मौसम खुल सकता है। इसके बाद तापमान बढ़ने और पसीने छुड़ाने वाली गर्मी पड़ने के आसार हैं। आने वाले दिनों में प्रदेश में भीषण गर्मी का असर देखने को मिल सकता है।

लोकसभा चुनाव तैयारियों में जुटा प्रशासन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि प्रथम रेण्डमाइजेशन 24 अप्रैल व द्वितीय रेण्डमाइजेशन 11 मई को किया जायेंगा। प्रथम रेण्डमाइजेशन में राजनैतिक पार्टियों को बुलाया जाय तथा द्वितीय रेण्डमाइजेशन में प्रत्याशी को बुलाया जाय। उन्होने बताया कि बीयू, सीयू, वीवीपैट को प्रतिशतवार व आवश्यकतानुसार सुरक्षा बल के साथ मशीनों को निकाला जाय तथा शेष मशीनों को रिजर्ब रखा जाय।

उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय–समय पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। निर्वाचन के दौरान उपयोग होने वाले वाहनों के संबंध में एआरटीओ को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि समस्त आवश्यक कार्य ससमय पूर्ण कराये। बैठक में एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, उप जिलाधिकारी रामकृष्ण चौधरी, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, एआरटीओ पंकज कुमार तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बैठक के बाद जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों के साथ कृषि उत्पादन मंडी समिति का निरीक्षण किया, जहां से लोकसभा सामान्य निर्वाचन के लिए मतदान पार्टियों की रवानगी होगी। मतदान के बाद ईवीएम स्ट्रांग रूम में रखे जाएंगे तथा 4 जून को मतगणना संपन्न होगी। उन्होंने स्ट्रांग रूम के लिए निर्धारित सभी कमरों में सुरक्षात्मक उपाय करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने परिसर की साफ–सफाई के लिए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया है।

उन्होंने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को मंडी परिषद के भीतर की सड़कों का 5 अप्रैल तक मरम्मत कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने परिसर में लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदान स्थलों के लिए तैनात कार्मिकों की रवानगी के लिए उपलब्ध कराई गई बसों को खड़ा करने के लिए मैप तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा मतदान कार्मिकों के वाहन की पार्किंग का स्थल निर्धारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मंडी सचिव को निर्देश दिया कि परिसर में स्थापित सभी आठ सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हालत में रखे जाएं। उन्होंने मंडी परिषद के कार्यालय परिसर में कंट्रोल रूम स्थापित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने एआरटीओ पंकज सिंह से कहा कि वहा मंडी परिषद के एक गेट से प्रवेश करें तथा दूसरे गेट से उनकी निकासी कराई जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को यहां पर ट्रैफिक व्यवस्था नियंत्रित करने का भी निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी केशवलाल, अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी रामकृष्ण चौधरी, ईओ नगरपालिका सत्येंद्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी सुशील मिश्रा, मंडी सचिव आर.एस. गुप्ता तथा अन्य अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेमौसम बरसात से फसलों को नुकसान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार की सुबह अचानक हुई बरसात से खरीफ की फसलों को काफी नुकसान हुआ। कई जगह गेहूं की फसलें गिर गई और दलहनी, तिलहनी फसलों को भी इससे क्षती पहुंची। वहीं बेमौसम की बरसात से ईंट भट्ठों पर लाखों रुपए के कच्ची ईंट खराब हो गई। दिन में करीब

10 बजे हल्की हवा के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। इसके चलते कई जगह गेहूं की फसल लोट गई। मौसम का यह रूप देख किसानों की धड़कन तेज हो गई, क्योंकि तेज हवा और बरसात के चलते फसलों के गिरने से उनका दाना पतला हो जायेगा। इससे उनकी पैदावार काफी कम हो जाएगी। किसानों को इस मौसम में सबसे अधिक ओले पड़ने की आशंका सताने लगी है।

बसपा सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव से पहले अमरोहा से बसपा के सांसद दानिश अली बुधवार को विधिवत कांग्रेस में शामिल हो गए। राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा और सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद से ही उनके कांग्रेस में जाने की चर्चा हो रही थी। माना जा रहा है कि दानिश अली अमरोहा से ही कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। दिल्ली में पवन खेड़ा और यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय की उपस्थिति में दानिश अली को कांग्रेस की सदस्यता दी गई। बसपा ने पिछले दिनों दानिश को पार्टी से निलंबित भी कर दिया था।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद दानिश ने कहा कि आज जो देश की परिस्थितियां हैं वह किसी से छिपी नहीं हैं। एक तरफ विभाजनकारी शक्तियां और दूसरी तरफ देश की गरीब, वंचित, पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने वाली शक्ति है। आज हमें फैसला लेना है कि हमें अगर विभाजनकारी शक्तियों से लड़ना है तो राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मिलकर चलना होगा।

इससे पहले दानिश अली ने सोनिया गांधी से भी मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद एक्स पर तस्वीर के साथ लिखा था कि अमरोहा से लोकसभा में अपनी दूसरी पारी के लिए त्याग की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी जी का आशीर्वाद पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उनका दिल भारत के गरीबों के लिए धड़कता है। उनकी अध्यक्षता वाली एनएसी (राष्ट्रीय सलाहकार परिषद) ने मनरेगा, आरटीआई, शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा जैसे ऐतिहासिक, गरीब हितैषी और पारदर्शी कानूनों को बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई। इस पोस्ट के साथ दानिश अली का इशारा साफ था। उनके लिए अमरोहा का टिकट फाइनल कर दिया गया था। यूपी में सपा ने कांग्रेस को जो 17 सीटें दी हैं, उनमें अमरोहा भी शामिल है।

दानिश अली को पिछले साल नौ दिसंबर को बसपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निलंबित कर दिया था। अमरोहा से बसपा ने इस बार दानिश की जगह मुजाहिद हुसैन को मैदान में उतारा है। मुस्लिम प्रत्याशी उतारने की पीछे की मायावती की रणनीति को इंडिया गठबंधन और सपा–कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की मंशा मानी जा रही है।

फिर घर में फुदक सकती है नन्ही गौरैया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 'विश्व गौरैया दिवस' पर नानक नगर पचपेड़िया रोड स्थित नाइस बस्ती के अंकित गुप्ता ने सभी छात्र–छात्राओं को 'आसान उपायों से फिर घर में फुदक सकती है नन्ही गौरैया' के लिए संकल्प दिलाया।

अंकित गुप्ता ने पक्षियों का महत्व और उनके संरक्षण पर जानकारी देते हुए कहा कि आज भी स्थान ऐसे हैं, जहां लोगों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम होने से गौरैया सुरक्षित महसूस करती हैं। यही नहीं, यहां की कच्ची भूमि पर उगने वाली घास के बीज, यहां पनपने वाले कीड़े आदि इनका भोजन हैं। यदि हम अपने घर में भी ऐसा ही वातावरण इन्हें दें, तो ये वहां भी आ सकती हैं। उन्होंने आगे बताया कि छोटे–छोटे तरीकों को अपनाकर हम आवासीय क्षेत्र में भी गौरैया को बुला सकते हैं। इसके लिए घर के बाहर थोड़ा स्थान ऐसा रखें, जहां मिट्टी और देसी घास लगी हो। कोई स्थान ऐसा सुनिश्चित करें जहां इनके लिए दाना डाला जा सकता हो और पानी के सकोरे रखे हों। किंतु ऐसी जगह पर जानवर या इंसान की आवाजाही नहीं होनी चाहिए।घर के आसपास या कालोनी के बगीचे में कुछ झाड़ियां हों ताकि वह उनमें बैठ सके।

दुनियाभर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में समय रहते इन विलुप्त होती प्रजाति पर ध्यान नहीं दिया गया तो वह दिन दूर नहीं जब गिद्धों की तरह गौरैया भी इतिहास बन जाएगी और यह सिर्फ गूगल और किताबों में ही दिखेगी। इसके लिए हमें आने वाली पीढ़ी को बताना होगा की गौरैया या दूसरी विलुप्त होती पक्षियां मानवीय जीवन और पर्यावरण के लिए खास अहमियत रखती हैं।

गौरैया जैसे परिन्दों के चूजें कठोर अनाज को नही खा सकते, उन्हे मुलायम कीड़े ही आहार के रूप में आवश्यक होते हैं। इन पेड़ों पर वह आसानी से घोंसला भी बना सकती है, तथा खिड़की या बालकनी में एक मिट्टी के बर्तन मे थोड़ा–सा पानी और प्लेट मे दाना रख दें। जिससे आप सभी के आंगन में गौरैया की चहचहाहट सुनायी दें सके।

पूर्व छात्रों ने प्रातः गौरैया पक्षी के लिए लकड़ी तथा कार्ड बोर्ड की सहायता से विभिन्न घोसलों के मॉडल तैयार कर भेंट किया और अपने घर के आसपास पौधें लगाने तथा उनका संवर्धन करने का संकल्प लिया कि पक्षियों को बचाना और वृक्षों को काटने से रोकना हमारा दायित्व हैं, तभी हमारे देश का वातावरण प्रदूषण मुक्त हो सकेगा।

इस अवसर पर अंकित गुप्ता, छात्र कुलदीप कन्नौजिया, आकांक्षा चौधरी, अनन्या गुप्ता, अंजू ने गौरैया पक्षी बचाने के लिए संकल्प हेतु अपने घर के आसपास पौधे लगाने का भी संकल्प लिया।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी के शिक्षक, अभिभावक सम्मेलन में दिया जानकारीः निःशुल्क प्रवेश प्रकिया जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को राजन इंटरनेशनल एकेडमी में शिक्षक, अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कक्षा 2 से 11 तक के छात्रा–छात्राओं में अंक पत्र वितरित करने के साथ ही अभिभावकों को उनके पाल्यों के शैक्षणिक स्थिति और शिक्षण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि छात्रों को बेहतर शिक्षा और संसाधन के साथ अनुकूल वातावरण देने की दिशा में लगातार प्रयास जारी है। छात्रों को बेहतर लैब के साथ ही समर्पित शिक्षक निरन्तर उन्हें निखार रहे हैं। छात्रों का परीक्षा परिणाम बेहतर है। कुछ बच्चे कमजोर हैं जिन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। बताया कि बेहतर शिक्षा का ही परिणाम है कि अभिभावक अपने पाल्यों को राजन इंटरनेशनल एकेडमी में पढाना चाहते हैं। इसे देखते हुये कक्षायें लगातार बढायी जा रही है।

प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने शिक्षक, अभिभावक सम्मेलन में कहा कि छात्र–छात्राओं को बेहतर शिक्षा देना ही विद्यालय परिवार का एकमात्र लक्ष्य है। समय–समय पर अभिभावकों से राय ली जाती है और उनके महत्वपूर्ण सुझावों को अमल में लाया जाता है जिससे कोई कमी न रहे। कहा कि विद्यालय में प्रवेश निःशुल्क हैं और कापी, किताब में 50 प्रतिशत तक की छूट दिया जा रहा है लगभग 400 बच्चों ने प्रवेश ले लिया है।

विद्यालय के कार्यकारी निदेशक राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि सरकार की गाइडलाइंस का पूरी तरीके से पालन किया जा रहा है सरकार का जो भी फरमान जारी होगा आगे भी मान्य किया जाएगा नए सत्र प्रवेश प्रक्रिया भी लगातार जारी है छात्र–छात्राएं विद्यालय में पहुंचकर अपना प्रवेश सुनिश्चित करा रहे हैं छात्र छात्राओं को बेहतर शिक्षा और संस्कार देने के लिए विद्यालय परिवार संकल्पित है।

अभिभावक सम्मेलन में महत्वपूर्ण सुझाव सामने आये। विद्यालय के शिक्षकों ने सीधा संवाद बनाकर जानकारी दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 मार्च 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

विश्वविद्यालयों में फैलती धार्मिक कटुता

गुजरात विश्वविद्यालय परिसर में विदेशी छात्रों की आस्था की सार्वजनिक अभिव्यक्ति को लेकर जो मारपीट हुई, वह भारतीय संस्कृति व मानवीय दृष्टिकोण से भी दुर्भाग्यपूर्ण कही जाएगी। खासकर ऐसे देश में जहां 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'अतिथि देवो भव' की अवधारणा को सदियों प्राथमिकता दी जाती रही हो। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम देश की छवि को दागदार करने वाला है। अच्छी बात है कि विवाद बढ़ते देख राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्ती बरती है और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। सवाल यही है कि विदेशी छात्रों के साथ ऐसी धार्मिक असहिष्णुता क्यों? आखिर किसी अन्य धर्म के छात्र की आस्था की अभिव्यक्ति पर किसी को प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता क्यों पड़ी? निश्चित रूप से शैक्षिक परिसरों में इस तरह की असहिष्णुता का पनपना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। रमजान के महीने में विश्वविद्यालय परिसर में सामूहिक रूप से प्रार्थना करना सामान्य बात है क्योंकि वहां कोई उपासना स्थल मौजूद नहीं था। सवाल यह भी है कि बाहरी लोगों के हमला करने पर विश्वविद्यालय का सुरक्षा तंत्र व पुलिस समय रहते सक्रिय क्यों नहीं हो पाये। सवाल देशी–विदेशी छात्रों का नहीं है, लेकिन जब विदेशी छात्रों के मामले में किसी भी तरह की अराजकता फैलायी जाती है तो दुनिया में गलत संदेश जाता है। निस्संदेह, ऐसे घटनाक्रमों से विदेशों में भी भारत की छवि खराब होती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया के तमाम देशों से विभिन्न धर्मों के छात्र हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के लिये आते हैं। ऐसे में हमारे विश्व गुरु बनने के दावे का क्या होगा? क्यों फिर विदेशी छात्र भी पढ़ाई को लेकर भारत को अपनी प्राथमिकताओं में रखेंगे? दरअसल,भारत को एशिया व अफ्रीकी देशों के छात्र इसलिये पढ़ाई के लिये चुनते रहे हैं क्योंकि माना जाता रहा है कि भारत में उच्च शिक्षा के अवसरों के साथ ही वातावरण सहिष्णुता की संस्कृति वाला रहा है। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम सिर्फ कानून व्यवस्था का ही नहीं है बल्कि दुनिया में भारत की छवि को खराब करने वाला भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि घटना में लिप्त लोगों से सख्ती से निबटा जाएगा।

निस्संदेह, किसी भी विश्वविद्यालय परिसर में ऐसा घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विगत में ऐसी घटना दिल्ली स्थित जेएनयू परिसर में भी हुई थी और छात्रों को निर्ममता से पीटा गया था। हमलावरों में बाहरी लोग भी शामिल थे। लेकिन दोषियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक नहीं रही थी। संभवतरू सत्ता में वर्चस्व वाले दल के हस्तक्षेप के चलते पुलिस दबाव महसूस कर रही होगी। दरअसल, ऐसी घटनाओं की तह में जाने की जरूरत होती है। ताकि पता चल सके कि घटनाक्रम तात्कालिक घटना से प्रेरित है या फिर घटनाक्रम की सोच के पीछे नियोजित कोशिश है। लेकिन इसके बावजूद अंतर्राष्ट्रीय छवि से जुड़ी संवेदनशील घटनाओं के प्रति स्थानीय प्रशासन व पुलिस को सजग रहने की जरूरत है। निश्चित रूप से हमारे शिक्षा के परिसर सांप्रदायिक सोच के चलते तोड़फोड़, पथराव व मारपीट की घटनाओं से मुक्त होने चाहिए। यह ठीक है कि बाद में गुजरात पुलिस ने मामले में कार्रवाई में तेजी लाते हुए कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में राज्य के गृहमंत्री ने पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक करके विश्वविद्यालय प्रशासन को अतिरिक्त सुरक्षा देने वाले कदम भी उठाये हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि घटना में संलिप्त अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई हो और जांच को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं अचानक नहीं होती। मामले की पृष्ठभूमि पर भी गौर करने की जरूरत होती है। साथ ही विश्वविद्यालय परिसरों में ऐसा वातावरण होना चाहिए कि छात्र सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील व सहिष्णु बनें। साथ ही छात्र सर्वधर्म समभाव की सोच का अनुसरण करें। जिससे विश्वविद्यालय परिसरों में सभी धर्मों का आदर करने की सोच कमजोर न हो। यह बात हमारे विश्वविद्यालय परिसरों में ही नहीं, पूरे देश के लिये भी अपरिहार्य है।

चुनावी गारंटियों की पड़ताल भी करें मतदाता

—विश्वनाथ सचदेव—

चुनाव आयोग द्वारा आम–चुनाव की घोषणा के साथ ही चुनावी दंगल शुरू हो चुका है। जुलूस, नारे, नेताओं के बयान, रोड शो आदि का शोर जोरों से सुनाई देने लगा है। इस सबको चुनाव की विधिवत शुरुआत भले ही कह लें, पर हकीकत यह है कि अब हमारे देश में चुनाव शुरू नहीं होते, चलते रहते हैं। एक अनवरत प्रक्रिया बन गये हैं चुनाव और इस प्रक्रिया के बनने में सबसे बड़ा योगदान सत्तारूढ़ दल भाजपा और हमारे प्रधानमंत्री का है। देखा जाए तो यह स्थिति अपने आप में कुछ गलत भी नहीं है, आखिर चुनाव जनतंत्र का उत्सव होते हैं, और ईमानदारी से लड़ी गई चुनावी लड़ाई जनतंत्र की सफलता और सार्थकता को ही प्रमाणित करते हैं। पर हमारी हकीकत यह भी है कि चुनाव में सब कुछ कहने–करने को स्वीकार्य मान लिया गया है। सिद्धांतहीन राजनीतिक समझौते और आधारहीन दावे और खोखले वादे दुर्भाग्य से हमारे जनतंत्र की एक पहचान बनते जा रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि जनता इन दावों–वादों, गारंटियों की पड़ताल करती रहे।

ऐसा ही एक दावा विकास का है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विकास के मोर्चे पर हमने कई सफलताएं अर्जित की हैं। देश में सड़कों का निर्माण जिस गति से हो रहा है, वह अपने आप में किसी उपलब्धि से कम नहीं है। रेल– मार्गों का विकास और रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि भी ऐसी ही एक सफलता है। रक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में भी हम लगातार तरक्की कर रहे हैं। चंद्रमा और मंगल तक की हमारी उड़ानें किसी भी भारतीय के मन में गर्व का अहसास जगा सकती है। विकास के इस संदर्भ में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े भरोसा दिलाने वाले हैं। लगभग साढ़े आठ प्रतिशत जीडीपी का आंकड़ा बहुत कुछ कहता है। लेकिन विकास की सार्थकता तभी बनती है जब यह विकास बेहतर जिंदगी में परिवर्तित हो। बेहतर जिंदगी का मतलब है हर क्षेत्र में आज बीते हुए कल से बेहतर दिखाई दे और आने वाले कल के लिए उम्मीदें जगाने वाला हो।

यह सही है कि हमारा जीडीपी एक सम्मानजनक स्तर पर है। यह भी सही है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में हम दुनिया के अनेक देशों से कहीं आगे हैं। आज हमारी अर्थ–व्यवस्था दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थ–व्यवस्था है। हमारा लक्ष्य पांचवें से तीसरे पायदान पर पहुंचने का है। पर सवाल वही हैदुविकास की यह गति बेहतर जिंदगी में परिवर्तित हो रही है या नहीं? जनवरी, 2024 में हमारी बेरोजगारी दर 6.8 प्रतिशत थी। फरवरी में यह प्रतिशत बढ़कर आठ हो गया। थोड़ा–सा और खंगालें तो पता चलता है इस संदर्भ में ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति और बुरी है। वहां बेरोजगारी का प्रतिशत क्रमशः 5.8 और 7.8 था। इसमें कोई संदेह नहीं कि शहरी क्षेत्र में इस दौरान यह आंकड़ा 8.9 प्रतिशत से कम होकर 8.5 प्रतिशत हो गया था। पर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हमारा दो–तिहाई क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र में आता है। महंगाई के आंकड़े भी कुछ ऐसा ही चित्र प्रस्तुत करते हैं। इस संदर्भ में जिंदगी की कठिनाइयां कम नहीं हो रहीं, उल्टे बढ़ती जा रही हैं।

महंगाई और बेरोजगारी का यह मुद्दा आम–चुनाव का बड़ा मुद्दा बनना चाहिए था। पर अभी तक विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बनाने में सफल नहीं हो पाया है। वास्तविकता तो यह है कि चुनावी मुद्दों के नाम पर अनावश्यक मुद्दे उछाले जा रहे हैं। एक उदाहरण देखेंदूमुंबई की एक सभा में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने 'एक शक्ति' का मुकाबला करने की बात कही। उनका आशय गलत ताकतों से लड़ने का रहा होगा। पर दूसरे ही दिन सत्तारूढ़ पक्ष ने इस 'शक्ति' को 'शक्ति की देवी' से जोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत की एक चुनावी सभा में घोषणा कर दी कि वे नारी–शक्ति की रक्षा के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर देंगे। उन्हें महारत हासिल है इस तरह के मुद्दे लपकने में और इसका लाभ उठाने में। पिछले दो आम–चुनावों में हमने देखा था कि कैसे 'चायवाला' और 'नीच' शब्द उनके लिए चुनावी–वरदान बन गया था। होना तो यह चाहिए कि चुनाव में सत्तारूढ़ पक्ष अपनी उपलब्धियों का लेखा–जोखा मतदाता के समक्ष रखे और विपक्ष सत्तारूढ़ पक्ष की कमियों–असफलताओं को उजागर करके बेहतर नीतियों के आधार पर वोट मांगे, लेकिन हो यह रहा है कि आकर्षक दावों और आधारहीन दावों के बल पर चुनाव लड़ा–लड़ाया जा रहा है। ऐसे में मतदाता का दायित्व बनता है कि वह सत्ता के लिए लड़ने वाले राजनेताओं और राजनीतिक दलों से उनके दावों–वादों के आधार के बारे में पूछे। उनसे कहे कि आकर्षक शब्दों और लोक–लुभावन शैली से उसे भरमाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। और न ही राजनीतिक दलों को यह मानना चाहिए कि मतदाता उनकी मुट्ठी में है।

आज देश के मतदाता को सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों से पूछना है कि उसकी बेहतरी के लिए उसके पास क्या योजना हैं? विकास जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली प्रक्रिया का नाम है। विकास का वास्तविक अर्थ है मानव–जीवन की गुणवत्ता में सुधार। सही मायनों में विकास तब होता है जब जीवन के हर स्तर में बेहतरी दिखे, जनता का आत्म–विश्वास बढ़े, स्वतंत्रता अपनी संपूर्णता में जीवन को संवारती दिखे। क्या ऐसा हो रहा है, यह सवाल मतदाता को अपने आप से पूछना होगा। इस प्रश्न का सम्यक उत्तर ही उसे सही के पक्ष में खड़े होने का अवसर देगा। यह सवाल तो मतदाता के मन में उठना ही चाहिए कि यह कैसा विकास है जिसमें एक तरफ तो विश्व स्तर पर पांचवें पायदान से तीसरे पायदान तक पहुंचाने के दावे और वादे किए जा रहे हैं, और दूसरी ओर देश की 80 करोड़ जनता को मुफ्त अनाज देने की आवश्यकता पड़ रही है? आज देश के मतदाता को शक्ति का अर्थ समझने–समझाने की आवश्यकता नहीं है, ऐसी हर कोशिश को उसे भरमाने की एक चाल के रूप में ही देखा जाना चाहिए। चुनाव सही और उचित मुद्दों के आधार पर लड़े जाएंगे, तभी हमारा जनतंत्र सार्थक सिद्ध हो सकता है। मतदाता का अधिकार है कि उसके समक्ष बेहतर विकल्प प्रस्तुत किए जाएं, लच्छेदार भाषा और आकर्षक नारे शायद चुनाव जीतने में कुछ मददगार सिद्ध हो भी जाएं, पर जनतंत्र की सार्थकता का तकाजा है कि मतदाता को भरमाया नहीं जाये, उसे जागरूक बनाया जाये। यह जागरूकता ही जनतंत्र का औचित्य सिद्ध करती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

निर्णायक चुनावी जंग में चार राज्यों पर नजर

—राज कुमार सिंह—

19 अप्रैल से 1 जून के बीच लोकसभा की 543 सीटों के लिए मतदान होगा लेकिन लगता है कि अगली केंद्र सरकार के लिए चार राज्यों की चुनावी जंग निर्णायक साबित हो सकती है। ये राज्य हैं– महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार और कर्नाटक। इन राज्यों से लोकसभा के लिए 158 सांसद चुने जाते हैं और पिछले चुनाव में भाजपा अकेले दम 83 सीटें जीतने में सफल रही थी। उसके सहयोगियों की सीटें भी जोड़ लें तो एन.डी.ए. ने इनमें से 118 सीटें जीती थीं। आगामी लोकसभा चुनाव में वह प्रदर्शन दोहरा पाना संभव नहीं लगता। कारण भी साफ हैं रू पिछले लोकसभा चुनाव से अब तक देश का राजनीतिक माहौल बदला है और समीकरण भी। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र से बात शुरू करें तो पिछली बार एन.डी.ए. 41 सीटें जीतने में सफल रहा था। तब भाजपा ने 23 और उसके मित्र दल शिवसेना ने 18 सीटें जीती थीं लेकिन राज्य में सरकार के नेतृत्व को ले कर हुई तकरार के बाद अब दोनों अलग–अलग पाले में हैं। बेशक शिवसेना में विभाजन के बाद राज्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एम.वी.ए. सरकार गिर गई। बाद में एन.सी.पी. में भी विभाजन हो गया। दोनों दलों से बगावत करने वाले गुट अब भाजपा के साथ एन.डी.ए. में हैं। एकनाथ शिंदे तो मुख्यमंत्री भी हैं, जबकि अजित पवार उप मुख्यमंत्री।

इस राजनीतिक उठापटक के बाद महाराष्ट्र में होने वाला यह पहला चुनाव होगा। इसलिए चुनाव में ही तय होगा कि शिंदे और अजित पवार के साथ सांसद–विधायकों के अलावा क्रमशरू शिवसेना और एन.सी.पी. का जनाधार कितना गया, पर महाराष्ट्र की राजनीति की सामान्य समझ यही कहती है कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार के मुकाबले क्रमशरू शिंदे और अजित शायद ही चुनाव में कुछ ज्यादा कर पाएं। हां, भाजपा खुद बेहतर प्रदर्शन कर सकती है, पर इसमें संशय है कि वह पिछली बार से भी ज्यादा सीटें जीत पाएगी। इसलिए देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिंदे की शिवसेना और अजित की एन.सी.पी. कितनी सीटें जीत पाती हैं तथा ठाकरे और शरद पवार की पार्टियों को सहानुभूति का कितना चुनावी लाभ मिलता है।

अगर प्रकाश आंबेडकर की वंचित विकास अघाड़ी भी एम.वी.ए. के साथ 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होती है, तब भाजपा की मुश्किलें और भी बढ़ सकती हैं। 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में पिछली बार भाजपा ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को जोरदार टक्कर देते हुए 18 सीटें जीती थीं। 'इंडिया' गठबंधन बन जाने के बावजूद तृणमूल सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। ऐसे में तृणमूल–भाजपा और कांग्रेस–वाम मोर्चा के बीच दिलचस्प त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले में भाजपा पर सीटें बढ़ाने से ज्यादा बचाने का दबाव रहेगा, क्योंकि ममता सरकार के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना के लिए भाजपा से इतर भी एक विकल्प उपलब्ध होगा। जाहिर है, तृणमूल और कांग्रेस–वाम मोर्चा अलग–अलग लड़ कर भी जो सीटें जीतेंगे, वे चुनाव के बाद भाजपा विरोधी खेमे में ही रहेंगी।

40 सीटों वाले बिहार में पिछली बार एन.डी.ए. ने 39 सीटें जीत कर लगभग क्लीन स्वीप किया था। बेशक विपक्षी गठबंधन के सूत्रधार नजर आ रहे नीतीश कुमार फिर पाला बदल कर एन.डी.ए. में वापस लौट चुके हैं, पर रामविलास पासवान अब नहीं हैं, जिनकी लोक जनशक्ति पार्टी ने 6 सीटें जीती थीं। रामविलास के निधन के बाद लोजपा भाई और बेटे के बीच दोफाड़ हो गई। पांच सांसदों के नेता के रूप में भाई पशुपति पारस केंद्र सरकार में मंत्री भी बन गए, जबकि बेटे चिराग ने भाजपा का हनुमान बन कर पिछले विधानसभा चुनाव में नीतीश के जद (यू) को 43 सीटों पर समेटने में भूमिका निभाई। ऐसा लग रहा है कि भाजपा इस बार चिराग पर दांव लगाएगी। बेशक चिराग और पशुपति, दोनों के ही जनाधार की चुनावी परीक्षा अभी होनी है, लेकिन ज्यादातर जानकारों का मानना है कि एन.डी.ए. के लिए 39 सीटें जीत पाना संभव नहीं लगता। अगर ऐसा होता है, तो स्वाभाविक ही 'इंडिया' की सीटें बढ़ेंगी, जो पिछली बार मात्र 1 सीट पर सिमट गया था।

28 लोकसभा सीटों वाले कर्नाटक में पिछले लोकसभा चुनाव के समय भाजपा की सरकार थी और वह अकेले दम 25 सीटें जीती थी। भाजपा समर्थित एक निर्दलीय भी जीता था, लेकिन पिछले साल कांग्रेस के हाथों राज्य की सत्ता से बेदखली के बाद उसके लिए पिछला प्रदर्शन दोहरा पाना नामुमकिन होगा। हालांकि अब भाजपा ने एच.डी. देवगौड़ा के जद (एस) से गठबंधन किया है, पर कर्नाटक में कांग्रेस की सीटें बढ़ना तय है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल यह है कि जब इन चार राज्यों में भाजपा की सीटें घटने की आशंका है, तो वह 370 सीटें जीतने का लक्ष्य कैसे हासिल करेगी?

सच तो यह है कि अगर इन चार राज्यों में भाजपा की सीटें अनुमान के मुताबिक घटीं, तब तो 272 का जादुई आंकड़ा छूने का दारोमदार भी उत्तर प्रदेश पर टिक जाएगा। 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश से भाजपा ने पिछली बार अकेले दम 62 और सहयोगियों के साथ मिल कर 64 सीटें जीती थीं, लेकिन 2014 में वह अकेले दम 71 और सहयोगियों के साथ 73 सीटें जीतने में सफल रही थी। माना जा रहा है कि राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से बने माहौल तथा जयंत चौधरी के पाला–बदल के बाद उत्तर प्रदेश में भाजपा 2014 का प्रदर्शन दोहरा सकती है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी की निरंतर यात्राओं तथा आंध्र प्रदेश में फिर टी.डी.पी. से गठबंधन के जरिए भाजपा दक्षिण में अपनी पैठ बढ़ाने की कवायद कर रही है, लेकिन उसके बल पर 370 का गगनचुंबी लक्ष्य छू पाना संभव नहीं लगता। उसके लिए जरूरी होगा कि भाजपा नुकसान की आशंका वाले चारों राज्यों में अपनी चुनावी बिसात ऐसी बिछाए कि नुकसान न्यूनतम हो।

लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का एलान हो गया है। इस बार चुनाव का आयोजन 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में किया जाएगा। चुनावों की मतगणना 4 जून को की जाएगी। सभी पार्टियों की ने अपनी जीत का लक्ष्य बना लिया है। हालांकि इन सभी राजनीतिक दलों के सामने कई चुनौतियां आने वाली हैं।राजनीतिक विश्लेषक भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में देख रहे हैं। भाजपा ने अकेले दम पर 370 लोकसभा सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। विपक्ष भी भाजपा को मात देने के लिए अपनी एकजुटता बढ़ा रहा है। कई दिग्गज नेताओं की जगह नए चेहरों पर भरोसा किया है। अपने संसदीय क्षेत्रों में पुराने चेहरों की मजबूत पकड़ के मुकाबले नए चेहरों को स्थान बनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और लाभार्थी एजेंडा देश के अधिकांश हिस्सों में लोकप्रिय रहा है। दक्षिण और पूर्वी भारत में इसकी परीक्षा होगी। राजनीतिक दलों को फंडिंग करने से जुड़ी चुनावी बांड योजना को रद करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले और दानदाताओं के बारे में रिपोर्ट सार्वजनिक होने से विपक्ष को मुद्दा मिल गया है।

राजनीति में ब्राह्मण मतदाता

— डॉ. ऋतु दुबे तिवारी—

उत्तर प्रदेश को देश की राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है। यहाँ की सियासत का सीधा असर केंद्र में देखने को मिलता है। गौरतलब बात ये है कि देश को प्रभावित करने वाली उत्तर प्रदेश कि राजनीति में में ब्राह्मण वोटर्स की संख्या भले ही तकरीबन 12 फीसदी है लेकिन यह वर्ग प्रदेश की राजनीति को जबरदस्त प्रभावित करने की क्षमता रखता है। विधानसभा में करीब 115 सीटें ऐसी हैं, जिनमें ब्राह्मण मतदाताओं का अच्छा प्रभाव है। आश्चर्यजनक बात ये रही कि ऐसे समय जब लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का ऐलान हो चुका है उस समय भी उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों के मिजाज और समीकरण पर कोई बात नहीं हो रही थी। एक तरफ जहाँ भाजपा और इंडी गठबंधन दोनों में ओबीसी वोट की लड़ाई दिख रही थी तो दूसरी तरफ मायावती डीएम यानी दलित मुस्लिम समीकरण के भरोसे ही हैं। ऐसा उस राज्य में हो रहा है जहां 6 बार ब्राह्मण मुख्यमंत्री रहे हैं और 2022 के विधान सभा चुनाव में 52 ब्राह्मण विधायक बने थे।

देखा जाए तो मंडल कमीशन के बाद से यूपी में दलित–ओबीसी राजनीति ने जोर पकड़ा और उसके बाद से अब तक कोई ब्राह्मण सीएम नहीं बन पाया लेकिन मतदाता के तौर पर इस जाति ने 90 के दशक के दौरान शुरुआती झटकों से उबरते हुए पुराना रसूख फिर से हासिल कर लिया है। यही कारण है कि मनुवाद का सीधा विरोध करने और मंडल कमीशन के बाद बदले सियासी माहौल में सत्ता पर काबिज होने वाली सपा और बसपा भी बाद में ब्राह्मण वोट बैंक को आकर्षित करने की रणनीति बनाने लगे।

ब्राह्मण राजनीति का शोर नेपथ्य में जा ही रहा था कि इसी बीच उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने एक बार फिर ब्राह्मण स्वाभिमान और सम्मान को चर्चाओं में ला दिया है। शाहजहांपुर के जलालाबाद में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माला पहनाते हुए उन्होंने एक तस्वीर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जनता की आस्था का सम्मान करते हुए भगवान परशुराम की जन्मस्थली जलालाबाद के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए सरकार ने वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति दे दी है।

सियासत में कम शब्दों में संदेश कह देने की कला महत्वपूर्ण होती है और इसीलिए जो इसमें माहिर है वह राजनीति के दांव पेंच में भी माहिर माना जाता है। ब्राह्मण स्वाभिमान के मुद्दे पर जितिन प्रसाद पिछले कुछ सालों में बेहद मुखर रहे, इन्होंने ब्राह्मणों के लिए संगठन बनाया और पूरे प्रदेश में घूम घूम कर ब्राह्मणों को एकजुट करने का अभियान चलाया। जितिन प्रसाद जब भाजपा में आए तब भी ये बात उठी थी कि जिस प्रकार ब्राह्मणों की नाराजगी को जितिन प्रसाद ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया था वो उनके भाजपा में शामिल होने के बाद राजनीतिक रूप से भाजपा के पक्ष में हो गई है। जितिन आज जिस कुर्सी पर हैं उस पर कभी नसीमुद्दीन सिद्दीकी और शिवपाल सिंह यादव जैसे दिग्गज रहे हैं। दोनों अपने अपने दलों में तो मजबूत रहे ही साथ ही अपनी जाति के लोगों के बीच नायक वाली छवि के साथ रहे और अब शायद जितिन भी धीरे धीरे उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण समाज के बीच लगातार जाकर खुद को उसी नायक के रूप में स्थापित कर रहे हैं। ऐसे समय जब प्रबुद्ध सभा के सम्मेलनों तक की चर्चा नहीं हो रही थी उस वक्त भगवान परशुराम की प्रतिमा के साथ जतिन प्रसाद की तस्वीर ने उत्तर प्रदेश में तमाम नेताओं को असमंजस में डाल दिया है। यह देखना अब दिलचस्प रहेगा कि ब्राह्मण वोट किस प्रकार चुनावी समीकरण को प्रभावित करते हैं या सिर्फ कुछ जिलों तक ही यह प्रभाव सिमट कर रह जाएगा। परिणाम जो भी हो परंतु यदि जितिन अपनी पूरी ताकत से ब्राह्मण वर्ग को साथ लाने में प्रयासरत हो जाएंगे तो उत्तरप्रदेश में इस बार का चुनाव वाकई इतिहास रचने वाला होगा।

पांच हिस्ट्रीशीटर फेरी लगाकर कपड़े की आड़ में बेचते थे गांजा, चार गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। मुजफ्फरनगर जिले के चार शातिर अपराधी और एक बलरामपुर जिले के रहने वाले आरोपी को पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। पकड़े गए पांचो आरोपियों के खिलाफ यूपी के विभिन्न थानों में गैंगस्टर एक्ट जालसाजी, गोबध, अवैध शस्त्र सहित दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

गोंडा जिले की मनकापुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान खास सूचना पर रेलवे क्रॉसिंग के पास से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध गांजा, तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस टीम कस्बे में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि रेलवे क्रॉसिंग के पश्चिम बन्दरहा गिलुवा गांव के मोड़ पर चार–पांच लोग एक बड़ा कपड़े का गट्ठर लेकर खड़े होकर आपस में बातचीत कर रहे हैं। जिनसे संदिग्धता प्रतीत हो रही है। यह खास सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक अखिलेश राही तत्परता दिखाते हुए मय फोर्स के गिलुवा मोड़ पर पहुंच गए। जहां पांच आरोपियों को पकड़ कर सख्ती से पूछताछ किया। पुलिस के पूछताछ में आरोपियों ने जब अपने बारे में जानकारी दी तो पुलिस के होश उड़ गए। इन लोगों ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि हम लोग फेरी के आड़ में गांजा बेचने का काम करते हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 10 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा, दो अवैध तमंचा 315 बोर, दो जीवित कारतूस 315 बोर, एक अवैध तमंचा 32 बोर और दो जीवित कारतूस 32 बोर बरामद किया गया। पुलिस ने बलरामपुर जिले के सादुल्लाहनगर थाना के जिगनी मद्दो भट्ठा के रहने लड्डन पुत्र मो० सई उर्फ काने, मुजफ्फरनगर जनपद अंतर्गत मीरापुर थाना क्षेत्र के सम्भलहेडा गांव के रहने वाले लोग मो नसीम उर्फ वसीम कुरैशी पुत्र मो याकूब, मो तौसीम उर्फ काला पुत्र स्व० याकूब, मुजफ्फरनगर के ककरौली थाना क्षेत्र के तेवड़ा गांव के रहने वाले दानिश पुत्र चाँद और मुजफ्फरनगर के मीरापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सम्भलहेडा गांव के रहने वाले नवाब अली पुत्र अल्ला मेहर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों का अपना आपराधिक इतिहास भी है। इनके खिलाफ गोंडा, बलरामपुर, मुजफ्फरनगर के अलग–अलग थाना में विभिन्न गंभीर मुकदमे पंजीकृत हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अखिलेश राही, हेड कांस्टेबल वरिन्द्र कुमार, विजय नाथ, सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, रवीश कुमार, रणवीर गौतम, कांस्टेबल लाल बहादुर और अंकित शर्मा शामिल रहे। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

दबंगों ने दी तालिबानी सजा,युवक को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा

संवाददाता—गोण्डा। एक युवक को पेड़ से बांधकर तालिबानी सजा देने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। युवक को दबंग आम के पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीट रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गोंडा जिले के इटियाथोक थाना के एक गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने युवक को पेड़ से बांधकर तालिबानी सजा दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। युवक का आरोप है, कि उसे पेड़ से बांधकर कड़ी यातना दी गई। वहीं कुछ लोग मोबाइल से वीडियो भी बनाते रहे। लेकिन कोई बचाने नहीं आया। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। सेखुई गांव के रहने वाले अनिल कुमार पुत्र खेमराज का गांव के ही कुछ लोगों से पुराना विवाद है। आरोप है, कि इसी बात को लेकर गांव के राम केवल, अखिलेश, दुर्गेश, रामविलास, रज्जन आदि ने अनिल को तालिबानी सजा देने की ठान ली। खबर है, मंगलवार की सुबह जब अनिल नित्य क्रिया के लिए घर से बाहर गया था। तभी आरोपियों ने मिलकर अनिल को आम पेड़ में रस्सी से बांधकर उसे घोर यातनाएं देने के साथ लाठी–डंडे से जमकर पिटाई की। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी के नागा साधुओं ने शाही निशान के साथ अयोध्या में खेली होली

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या— श्रीरामनगरी अयोध्या में फागुन शुक्ल पक्ष की रंगभरी एकादशी पर सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी के शाही निशान के साथ होली नागा संतो ने होली खेलकर होली की शुरुआत कर दी। आज से अयोध्या में 1सप्ताह तक होली उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। सुबह लगभग 9 बजे सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी से हनुमान जी के निशान की पूजा अर्चना कर गद्दी नशीन महंत प्रेमदास महाराज के आशीर्वाद और अखिल भारतीय पंच निर्वाण अनी अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत मुरली दास महाराज के सानिध्य में सिद्ध निशान को अयोध्या की सडकों पर निकाला गया और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर पड़ने वाले प्रत्येक मंदिरों में होली खेलते हुए सरयू स्नान के बाद इस उत्सव का समापन होगा।साधु संतों की टोली ने हनुमानगढ़ी मे रंग गुलाल और अबीर से जमकर होली खेलते हुए हनुमानगढ़ी से निशान के साथ शोभायात्रा के रूप में रामनगरी का भ्रमण करने निकली और मठ–मंदिरों में जाकर होली खेलने का निमंत्रण देती है। स्वर्ण, रजत एवं लौहदंड के साथ हनुमानजी का निशान कंधे पर ले भांति–भांति के वाद्य की धुन पर गीत गाते एवं अबीर–गुलाल की वर्षा करते युवा नागा साधु आगे बढ़ते हुए चुनिंदा मंदिरों से होती हुई रंगोत्सव की यात्रा अयोध्या नगरी के पंचकोसी परिक्रमा के साथ पूरी रामनगरी को उत्सव के आगोश में खींच लाती है। श्री महंत मुरली दास ने कहा रंगभरी एकादशी से अयोध्या में होली उत्सव प्रारंभ होता है यह परंपरा सदियों पुरानी है। धर्म सम्राट महंत ज्ञान दास महाराज के शिष्य संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने कहा त्रेता युग से यह परंपरा चल रही है और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद इसमें उत्साह कई गुना बढ़ गया है।सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी के गद्दी नशीन महंत प्रेम दास जी महाराज के शिष्य महंत डॉ महेश दास जी महाराज ने बताया इस बार की होली अलौकिक और अद्वितीय है क्योंकि भगवान श्री राम का भव्य मंदिर में विराजमान हो गए है और हनुमान जी महाराज प्रभु श्रीराम के सेवक है, अयोध्या के राजा भी हैं इसलिए रंगभरी एकादशी से अयोध्या में होली का आगाज होता है। होली खेलने वाले नागा संतो का नेतृत्व हनुमानगढ़ के संत राजू दास ने कया इस अवसर पर राजेश पहलवान महंत बलराम दास सहित सैकड़ो की संख्या में संत सम्मिलित हुए सभी मंदिरों में उनका स्वागत हुआ और अयोध्या में होली उत्सव का शुभारंभ हो गया।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

संवाददाता—देवरिया। थाना क्षेत्र के सोहनपार रेलवे ढाला के समीप पूर्वी आउटर सिग्नल के पास ट्रेन से गिरकर बुधवार की दोपहर एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची जीआरपी भटनी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही उसकी शिनाख्त नही हो सकी है। पुलिस ने बताया है कि दोपहर 12 बजे के आसपास बारिश हो रही थी। इसी बीच डाउन ट्रैक पर जा रही एक ट्रेन से डॉउन और अप ट्रैक के बीच गिर गया था।

धूमधाम से निकली फाल्गुन निशान यात्रा, जमकर उड़े अबीर– गुलाल

संवाददाता—देवरिया। श्री श्याम मित्र मंडल ने बुधवार को फाल्गुन निशान यात्रा का आयोजन किया। नई कॉलोनी हनुमान मंदिर से शुरू होकर विभिन्न मार्गो से भ्रमण करते हुए यात्रा श्याम मंदिर कसया रोड पहुंची श्याम भक्तों के जयकारे से शहर की सड़कें गूंजती रही। इस दौरान जमकर अबीर गुलाल भी उड़ाए गए। श्याम भक्तों का समूह सुबह पंडित दीनदयाल पार्क स्थित हनुमान मंदिर पर एकत्रित हुआ। हाथों में श्याम पताका लिए भक्तगण चल पड़ा। डीजे पर बज रहे भक्ति धुन पर लोग झूमते हुए आगे बढ़ चले। अबीर– गुलाल से सराबोर भक्ति भजन गाते चले। जलकल रोड, मोती लाल रोड, अमर ज्योति चौराहा, नई बाजार, मोहन रोड, पेडा गली होकर सत्यनरायन मन्दिर के सामने से मालगोदाम चौराहा, स्टेशन रोड, ओवरब्रिज के रास्ते श्याम मंदिर में पूर्ण हुई।

अवैध शराब बनाने की फैक्ट्री बरामद, चार बंदी

संवाददाता—श्रावस्ती। आगामी त्योहार व लोकसभा चुनाव को लेकर अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पुलिस ने शराब बनाने की फैक्ट्री के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही मौके से भारी मात्रा में लहन व 70 लीटर कच्ची शराब बरामद कर जब्त कर लिया। सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम की ओर थाना क्षेत्र के कई गांवो में बुधवार को छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान गांव घोलिया से चार भट्ठी, चार पिपिया में कुल 70 लीटर कच्ची शराब, 170 किलोग्राम आदि बरामद किया गया। बरामद शराब व भट्ठी को जब्त कर टीम ने लहन को मौके पर ही नष्ट करा दिया। साथ ही मौके से चार आरोपियों जितेन्द्र पुत्र जयप्रकाश, संतराम पुत्र शोभाराम, लल्लूराम पुत्र बाबादीन व मुंशीराम पुत्र अमेरिका प्रसाद निवासीगण घोलिया थाना सिरसिया को गिरफ्तार किया। आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक इन्द्रसेन सिंह, उपनिरीक्षक विनोद कुमार, मुख्य आरक्षी शिवेन्द्र यादव, आरक्षी संजीव कुमार, दीपेन्द्र कुमार, प्रशान्त सिंह आदि शामिल रहे। वहीं इकौना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिह ने टीम के साथ समय माता मंदिर मोहनीपुर के पास से संदीप कुमार गौतम पुत्र राजा राम निवासी रेहारन पुरवा को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया।

दो बाईकों की जबरदस्त भिड़ंत में दो की मौत, सड़क पर तड़पते रहे युवक लोग बनाते रहे वीडियो

संवाददाता—कुशीनगर। तेज रफ्तार से आ रहीं दो बाईकों की आमने सामने भीषण भिंडत हो गई जिसने दोनों के चालकों की मौत हो गई जबकि तीन को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। दोनो बाइक पर पांच युवक सवार थे। जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र मिश्रौली के पास मुख्य पश्चिमी गंडक नहर के पास तेज रफ्तार में आ रहे दो बाइक सवार आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि उन पर सवार पांच लोगों में से दो की मौत हो गई, जबकि तीन को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। रामकोला थाना क्षेत्र के धुंआटीकर गांव निवासी परदेशी (22) अपने दो दोस्तों गांव के रहने वाले रमाकांत और महराजगंज जिले के घुघली थाना क्षेत्र के भुअनी गांव निवासी बैजनाथ के साथ बाइक से पडरौना मंगलवार को दोपहर में गए थे। लौटते समय पडरौना कोतवाली मिश्रौली गंडक नहर के पास पहुंचे थे कि सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। दोनों बाइकों की रफ्तार तेज होने के कारण मौके पर परदेशी और दूसरी बाइक पर सवार पडरौना कोतवाली क्षेत्र के मिश्रौली गांव विश्राम पट्टी निवासी 26 वर्षीय सर्वेश की मौत हो गई। दोनों बाइकों पर सवार धुंआटीकर गांव निवासी रमाकांत (36), रामकोला के सोहरौना गांव निवासी चंद्रेश यादव (35) और बैजनाथ (38) घायल हो गए। हादसे के बाद करीब आधे घंटे तक युवक सड़क पर तड़पते रहे। वहां जुटी भीड़ मोबाइल में वीडियो बनाती और फोटो खींचती रही। मौके पर मिश्रौली पुलिस चौकी से पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा और परिजनों को सूचना दी। हादसे में जिन युवकों की मौत हुई है वे बाइक चला रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

धुंआटीकर गांव का रहने वाला परदेशी चार भाई था। तीन माह पहले परदेशी के बड़े भाई की हादसे में मौत हो गई थी। अभी वह गम घर वाले भूले ही नहीं थे कि परदेशी की भी जान सड़क हादसे में चली गई। इसकी मौत की खबर मिलते ही घर वालों में चीख पुकार मच गई। परदेशी के पिता की मौत एक दशक पहले हो चुकी है। मां यशोदा देवी का रो–रो कर बुरा हो गया था।

सुरक्षाबलों के जवानों व कार्मिकों को कैशलेस इलाज की सुविधा

संवाददाता—गोण्डा। लोकसभा चुनाव ड्यूटी में लगे सुरक्षाबलों के जवानों व कार्मिकों के लिए अच्छी खबर है। लोकसभा चुनाव ड्यूटी के दौरान अगर तबीयत बिगड़ी तो उन्हें कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य महकमें से कई बिन्दुओं पर रिपोर्ट भी स्वास्थ्य महानिदेशालय से मांगी है। स्वास्थ्य महकमा बिन्दुवार सूचना इकट्ठा करने में जुटा है।

निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सुरक्षाबलों की ड्यूटी लगाई जाती है। बाहर से सुरक्षाबलों के जवान जिले में मंगाए जाते हैं। वहीं जिले के विभिन्न विभागों के भी कर्मचारियों को चुनावी ड्यूटी में लगाया जाता है। अक्सर चुनाव में जवानों व कार्मिकों को तबीयत बिगड़ जाती है, जिससे उन्हें इलाज के लिए इधर–उधर भटकना पड़ता था। बीमार जवानों व कार्मिकों को अब तक ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में ही इलाज कराना होता था लेकिन अब उनके लिए कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कैशलेस इलाज के लिए इन बिन्दुओं पर मांगी गई सूचना रू स्वास्थ्य महानिदेशालय ने स्वास्थ्य महकमें से पांच बिन्दुओं पर सूचना मांगी है। जिसमें सरकारी व निजी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का नाम, पता, प्रभारी मेडिकल आफीसर का नाम, अस्पताल का सम्पर्क नंबर व जनपद के नोडल अधिकारी का नाम व नंबर शामिल हैं।

बताया जाता है कि यह सूचना निदेशालय संबंधित जिलों के सुरक्षाबलों के जिम्मेदारों को उपलब्ध कराएगा, जिससे आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अस्पताल में जाकर कैशलेस इलाज की सुविधा ली जा सके। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ रश्मि वर्मा ने बताया कि निदेशालय के निर्देश पर सूचना तैयार कराई जा रही है। जल्द ही सूचना निदेशालय कोशिश भेजी जाएगी।

समय माता मंदिर पर हुआ हवन पूजन व भंडारा

संवाददाता—बहराइच। गोंडा हाईवे पर पयागपुर–बहराइच मार्ग पर अग्रसेन चौराहे के निकट समय माता मंदिर के स्थापना दिवस पर हवन पूजन एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। जहां देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लग रहा। पयागपुर के अग्रसेन चौराहे के समय माता मंदिर अगाध श्रद्धा का केंद्र है। जहां पूरे वर्ष वर्ष श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। मंदिर के स्थापना दिवस के पर आयोजित वार्षिकोत्सव में अखंड रामायण पाठ एवं हवन पूजन कार्यक्रम किया गया। जिसमें 108 लोगों का सामूहिक रूप से हवन पूजन कार्यक्रम किया गया।

पं.ओम प्रकाश मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन पूजन कार्यक्रम कराया। कार्यक्रम आयोजक क्रांतिवीर मिश्रा ने कहा कि जो लोग मां की शरण में आ जाते हैं, उनके त्रिविध दोष का नाश हो जाता है। हवन पूजन करने से वातावरण में शुद्धि होती है जिसका लाभ सभी लोगों को मिलता है, इसलिए मानव को दैनिक जीवन में हवन पूजन जरूर करना चाहिए, ताकि घर में शुद्ध का वातावरण हो। इस अवसर पर ब्रिज किशोर केडिया, सुनील केडिया, अनूप पंसारी, छोटू पांडे व देवतादीन समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने 10 वारंटियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस की ओर से 10 वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बुधवार को कोतवाली भिनगा, थाना इकौना व थाना मल्हीपुर क्षेत्र में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने रामछबीले पुत्र रामजस, राजेश पुत्र रामछबीले निवासीगण ग्राम जयनगरा थाना मल्हीपुर, शिवकुमार पुत्र रामदुलारे निवासी मोगला थाना मल्हीपुर, हनीफ पुत्र कादिर निवासी गोड़ारी थाना गिलौला, अलखराम केवट पुत्र श्रीदत्त निवासी बगनहा थाना गिलौला, बाबूराम पुत्र रिक्खीराम निवासी विन्डोहवा थाना भिनगा, रामवृक्ष पुत्र साधू निवासी जौगढ़, मुजफ्फर पुत्र सकूर निवासी मोहल्ला कहारन कस्बा भिनगा समेत 10 वारंटियों को गिरफ्तार किया। यह वारंटी डीपी एक्ट, मारपीट, गाली–गलौज, आबकारी, धोखाधड़ी, चोरी जैसे मामलों के अपराधी हैं।

धूल भरी आंधी से उजड़े टीन शेड, 300 गांव की बत्ती गुल

संवाददाता—बलरामपुर। धूल भरी आंधी से जिले में नुकसान हुआ है। गेहूं व गन्ना फसल तेज हवा के कारण खेत में गिर गई है। कई प्रमुख मार्गों पर पेड़ टूटकर गिरने से आवागमन बाधित रहा। कई घंटे बाद आवागमन बहाल हो सका। तार टूटकर गिरने से लगभग 300 गांव की बिजली गुल हो गई है। कई स्थानों पर टीन शेड उड़ने की खबर मिली है। कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। बिजली विभाग के कर्मचारी आपूर्ति बहाल करने को लेकर युद्ध स्तर पर जुटे हैं। हॉलाकि किसी के मौत अथवा हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। दोपहर 12 बजे के बाद जिले तेज हवाएं चलीं। बाद में हवाओं ने आंधी का रूप ले लिया। जो जहां था वहीं ठहर गया। कुछ राहगीर भागकर सुरक्षित स्थानों पर शरण लिए। हवा का रुख धीरे–धीरे तेज होता गया। बलरामपुर नगर में राहगीर दुकानों में घुस गए। वीर विनय चौराहे पर बिजली तार आपस में टकराए और चिंगारी निकलने लगी। आस पास के लोग दुकान छोड़कर भाग निकले। शहर की बिजली हवा के कारण गुल हो गई। चारों तरफ धूल का गुब्बार फैला होने के कारण आवागमन ठप हो गया। अधिकांश दुकानदारों ने शटर डाउन कर दिया। बलरामपुर–तुलसीपुर बौद्ध परिपथ मार्ग पर गांगनार के निकट इमली का पेड़ टूटकर गिर गया। जिसके कारण दो घंटे तक आवागमन बाधित रहा। कौवापुर मोड़ से महराजगंज तराई मार्ग पर बबूल के तीन पेड़ टूटकर गिरे, जिसे हटाने में तीन घंटे का समय लगा। तुलसीपुर– गैसड़ी मार्ग पर मोटा पेड़ गिरने से दो घंटे तक आवागमन बंद रहा। गैसड़ी–पचपेड़वा मार्ग पर भी पेड़ गिरने की वजह से आवागमन प्रभावित होने की बात कही जा रही है। बलरामपुर– उतरौला, गोंडा व बहराइच मार्ग पर दो घंटे तक आवागमन बहाल नहीं हो सका।

डेढ़ लाख की चरस के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। मादक वस्तुओं के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने डेढ़ लाख रुपये की चरस बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। बुधवार को कोतवाली भिनगा के प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम चकवा के पास से एक व्यक्ति के कब्जे से 530 ग्राम चरस बरामद किया। बरामद चरस को जब्त कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान शरीफ पुत्र शौकत अली निवासी ग्राम रेहरा बिशुनपुर के रूप में हुई। चरस की कीमत 1.50 लाख रुपये आंकी गई। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

50 हजार से ज्यादा नगदी लेकर चलने पर नियमों का करना पड़ेगा पालन

संवाददाता—गोण्डा। आदर्श चुनाव का आचार संहिता लगने के बाद निर्वाचन आयोग के इन नियमों का पालन करना पड़ेगा। इनमें राजनीतिक गतिविधियों के लिए धार्मिक स्थल का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। अन्य कई नियमों का पालन करना होगा। देश में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन आयोग ने विस्तृत गाइडलाइन जारी कर दी है। इनमें राजनीतिक गतिविधियों के लिए धार्मिक स्थल का उपयोग नहीं किया जा सकता। वाहनों पर पार्टी का झंडा लगाने पर रोक रहेगी। सरकारी कर्मचारी राजनीतिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकते।

गोंडा जिले के उप जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने लोकसभा निर्वाचन के तहत आदर्श आचार संहिता लागू करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनावी अवधि तक कोई भी नागरिक 50 हजार रूपये से ज्यादा नगद लेकर यात्रा नहीं कर सकेगें। नकद धनराशि वरामद होने पर व्यक्ति को उसके सम्बन्ध में साक्ष्य प्रस्तुत करने होगें। कोई भी सरकारी कर्मचारी राजनैतिक गतिविधि में शामिल नही हो सकता है। अगर ऐसा होता है। तो इस आदर्श आचार सहिता का उल्लंघन माना जायेगा। उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सरकार के मंत्री आफिशियल वाहनों का राजनैतिक कार्यों के लिये प्रयोग नहीं कर सकते।

वाहनों और बैठकों में लाउडस्पीकर का प्रयोग करने की अनुमति सुबह 6 बजे से लेकर रात 10 बजे तक ही दी जायेगी। इसके बाद आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जायेगा। किसी भी वाहन पर किसी भी पार्टी का झण्डा नहीं लगाया जा सकेगा। केवल राजनैतिक दलों के पदाधिकारी आरओ से अनुमति लेकर वाहनों पर झण्डे का प्रयोग कर सकगे। किसी भी धार्मिक स्थल का प्रयोग चुनाव प्रचार जैसे भाषणों, पोस्टरों, बैनरों के लिये नहीं किया जायेगा। सरकारी कार्यालय के परिसर में किसी भी प्रकार का राजनैतिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जायेगी। सरकारी गेस्ट हाउस में किसी भी प्रकार की राजनैतिक गतिविधि नही की जायेगी। किसी दशा में बिना अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग निषेध किया गया है। वहीं किसी भी जुलुस और रेली के लिये जगह, समय रूट चार्ट का निर्धारण पहले से करके आरओ से अनुमति लेना अनिवार्य है। बिना किसी पूर्व सूचना के किसी जुलुस रेलों की अनुमति नहीं दी जायेगी। मतदान स्थलों के 100 मीटर के दायरों के अन्दर किसी भी प्रकार की चुनावी मीटिंग प्रचार करने की अनुमति नहीं होगी। नामांकन के दोरान केवल 3 वाहनों को ही नामांकन स्थल से 100 मीटर के दायरे में आने की अनुमति होगी। मतदाता का किसी विशेष पक्ष को मतदान करने हेतु किसी भी प्रकार का प्रलोभन चाहे आर्थिक अथवा किसी और तरह का हो, अपराध है। किसी भी प्रकार की जाति या साम्प्रदायिक अपील वर्जित है। उनके द्वारा समस्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारी को भी आदर्श आचार संहिता का अनुपालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

फाल्गुन महोत्सव पर नानपारा में श्याम निशान यात्रा

संवाददाता—बहराइच। श्री श्याम प्रभु एवं दादी राणी सती मंदिर नानपारा में मंदिर कमेटी की ओर से फागुन महोत्सव पर निशान यात्रा निकाली गई। फागुन मेला एवं निशान उत्सव के दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पहले दिन निशान यात्रा नगर के विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर निशान को प्रभु से स्पर्श कराकर पुनः खाटू श्याम प्रभु मंदिर पहुंचकर खाटू श्याम को निशान अर्पित किए गए। यात्रा में श्याम भक्त हाथों में श्याम नाम की पताका लिए भजनों की धुन पर नाचते– गाते श्याम प्रभु के जयकारों के साथ अबीर– गुलाल उड़ाते श्याम प्रभु का गुणगान करते चल रहे थे।

यात्रा में हर तरफ श्याम नाम की पताका हाथों में लहराते हुए भक्त भावविभोर होकर बाबा को अपनी आस्था प्रकट कर रहे थे। निशान यात्रा नगर के श्री विश्वनाथ मंदिर पर पहुंचकर निशान प्रभु को स्पर्श कर पुनः खाटू श्याम प्रभु के दरबार में पहुंची। जहां श्याम भक्तों ने अपने निशान खाटू श्याम प्रभु के चरणों में अर्पित किए। निशान यात्रा में श्याम प्रेमी गायक कुमार शानू,माही पोरवाल, मोनू गुप्ता, किशन कुमार ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति की, जिससे सारा वातावरण श्याम मय हो गया। कुमार शानू के भजन ऐसी मस्ती कहां मिलेगी श्याम नाम तू जपले पर भक्त झूमते नाचते चल रहे थे। यात्रा में मिहींपुरवा ,मटेरा, रिसिया, नील कोठी, चीनी मिल, बरदहा, शिवपुर, इमामगंज, नेपालगंज, नवाबगंज, बनगई, चंदेला कला, आलम पुरवा, भवनियापुर रामगढ़ी, भुलौरा, कोयलहवा, कमचियारा, कोरियन पुरवा, सिलेटनगंज सहित लगभग दो दर्जन से अधिक स्थानों से श्याम प्रेमी पैदल निशान लेकर खाटू श्याम प्रभु के चरणों में अर्पित किए। निशान यात्रा का श्याम प्रेमियों ने जगह–जगह फूल मालाओं तथा इत्र से स्वागत किया। मंदिर कमेटी तथा श्याम प्रेमियों की ओर से नगर में विभिन्न स्थानों पर भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया।

गुरुवार को जात एवं जात जडूला, श्री श्याम मंगल पाठ होगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग होगा। इस मौके पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष रामस्वरूप अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद मनीरामका,सुरेश गोयल, अजीत भीमराजका, आनंद पोद्दार, प्रतीक अग्रवाल, प्रदीप मनीरामका, अजय अग्रवाल, बिल्लू सिंघानिया, नवीन शाह, अजय गुप्ता सहित महिला मंडल की अनामिका टेकड़ीवाल, प्रीति गुप्ता, श्वेता अग्रवाल, नमिता पोद्दार, प्रीति अग्रवाल, सहित सैकड़ों की संख्या में श्याम भक्त मौजूद रहे।

कोतवाली से गायब हो गए कारतूस और वेपन, कोतवाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट

संवाददाता—बहराइच। जिले के अति संवेदनशील इलाके भारत नेपाल –सीमा के नानपारा कोतवाली से भारी संख्या मे कारतूस व वेपन गायब हो गये। यह सिलसिला काफी पुराना है। हेड मोहर्रिर व कोतवाल एक दूसरे से बिना गिनती चार्ज लेते रहे। जीपी लिस्ट गायब पाए जाने पर इसकी जांच एसपी ने गठित टीम से कराई तो गड़बड़ी की पुष्टि होने पर अज्ञात के विरूद्ध केस दर्ज किया गया है। नानपारा कोतवाली में तैनात रहे हेड मोहर्रिर विनोद यादव ने अपने पूर्ववर्ती हेड मोहर्रिर राम विचार से 17 दिसम्बर 2021 को चार्ज लिया तो जीपी लिस्ट न मिलने से शस्त्र व एम्युनेशन का मिलान नहीं हो पाया। इसकी शिकायत एसपी से तत्कालीन कोतवाल ने की जिस पर एसपी के आदेश पर 31 जुलाई 2023 को जांच एएसपी ग्रामीण को सौंपी गई थी। एएसपी ग्रामीण ने इसकी जांच दूसरे सर्किल कैसरगंज सीओ रूपेन्द्र गौड़, प्रतिसार निरीक्षक भुवनेश्वर सिंह, आर्मेमर उपनिरीक्षक विजय कुमार श्रीवास्तव को सौंपी थी। शस्त्र व एम्युनेशन कम होने की पुष्टि होने पर प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। किसी को नामजद नहीं किया गया है। भारी मात्रा में कारतूस, वेपन, चाइनीज गोली, रिवाल्वर समेत अन्य के गोली गायब हो गए। एएसपी ग्रामीण डा. पवित्र मोहन त्रिपाठी ने शस्त्र व एम्युनेशन कम पाए जाने पर एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की है।

गोकशी के आरोपितों की पुलिस से हुई मुठभेड़, दनादन चली गोलियां

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। गोकशी के आरोपित और पुलिस टीम के बीच मंगलवार की रात मुठभेड़ हुई। बदमाशों ने अपने को घिरा देखकर पुलिस टीम पर फायर किया। जवाब में पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में एक बदमाश समीर उर्फ ऐश मोहम्मद पुत्र दोस्त मोहम्मद निवासी तुर्कवलिया तिवारी थाना पथरा के बाएं पैर में गोली लगी। बदमाशों की ओर से चलाई गई गोली से प्रभारी निरीक्षक पथरा भाग्यवती पांडेय बाल– बाल बच गई। गोली उनके बगल से निकल गई। पुलिस टीम ने बदमाशों के पास से असलहा, कारतूस, चाकू और बाइक बरामद किया है। दूसरा पकड़ा गया बदमाशा मोहम्मद फिरोज पुत्र तफले अहमद निवासी कुर्थीडीहा थाना डुमरियागंज है। सीओ डुमरियागंज अखिलेश कुमार वर्मा ने बताया कि छह मार्च को पथरा थाना क्षेत्र में गोकशी की घटना हुई थी। इस मामले में दोनों बदमाशों का नाम प्रकाश में आया था। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। इसमें थाना पथरा, एसओजी व सर्विलांस की टीम लगाई गई थी। पुलिस टीम मिठवल के पास बदमाशों को पकड़ने की रणनीति बना रही थी। इसी दौरान पथरा की तरफ से एक बाइक आती दिखी। पुलिस टीम ने गाड़ी के रूकने का इशारा किया तो बाइक सवारों ने गाड़ी रोकने के बजाय पुलिसकर्मियों के ऊपर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। पुलिस टीम ने खुद का बचाव करते हुए इन्हें आगे बढ़ने के लिए रास्ता दे दिया। बाइक सवार विशुनपुरवा की ओर जाने वाली नहर की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने बाइक सवारों का पीछा किया तो वह कुछ दूर जाकर अनियंत्रित होकर बाइक समेत गिर पड़े। पुलिस ने उन्हें आत्मसमर्पण के लिए कहा गया तो एक संदिग्ध व्यक्ति अपने हाथ में लिये हुए असलहे से पुलिस पर जान मारने की नियत से फायर कर दिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक पथरा भाग्यवती पांडेय, एसओजी प्रभारी शेषनाथ यादव, सर्विलांस सेल प्रभारी सुरेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राघवेन्द्र यादव, सत्यदेव प्रसाद, मुख्य आरक्षी राजीव शुक्ला, दिलीप कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मरीजों को मुंह स्वच्छ रखने की दी जानकारी

संवाददाता—गोरखपुर। एम्स के दंत चिकित्सा विभाग ने बुधवार को विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान चिकित्सकों ने एक स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ मुंह रखने के महत्व की वकालत की। बुधवार को दंतरोग विभाग के चिकित्सकों ने बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) क्षेत्र में एक जागरूकता सत्र आयोजित किया जहां मरीजों को मौखिक स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। दंत चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. श्रीनिवास टीएस ने उचित मौखिक देखभाल दिनचर्या पर चर्चा की। सहायक प्रोफेसर डॉ शैलेश कुमार ने अच्छे मौखिक स्वास्थ्य अभ्यास को बनाए रखने के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम के बाद मरीजों को टूथपेस्ट और माउथवॉश नमूनों का निःशुल्क वितरण किया गया। इसके बाद दंत चिकित्सा विभाग ने प्राथमिक विद्यालय शिवपुर में एक स्कूल मौखिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। इससे 219 से अधिक छात्रों और शिक्षकों की जांच की गई। मरीजों को मौखिक स्वच्छता की जानकारी दी गई। उन्हें मौखिक स्वास्थ्य किट का वितरण किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. दीपांशु कुमार ने नियमित दंत जांच और कम उम्र से ही नियमित ब्रश करने जैसी अच्छी मौखिक स्वास्थ्य प्रथाओं की शीघ्र स्थापना के महत्व को रेखांकित किया। इस आयोजन पर कार्यकारी निदेशक डॉ. जीके पाल ने उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस संदेश को बढ़ावा दें कि लोगों को एक खुशहाल, स्वस्थ भविष्य के लिए अपने मौखिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

जिले में बनाए जाएंगे 11 पिंक और 20 मॉडल बूथ

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में लोकसभा चुनाव में 11 पिंक और 20 मॉडल बूथ बनाए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में बैठक कर इस बाबत निर्देश दिए गए। बैठक में सभी स्तरों पर ड्यूटी में लगाए गए निर्वाचन कार्मिकों, मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण, मतदान कार्मिकों के रेण्डमाइजेशन सहित मतदान बूथों के तैयरी की समीक्षा हुई। जिला मजिस्ट्रेट ने संसदीय लोकसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सम्बंधित नोडल अधिकारियों से आंकड़ेवार जानकारी ली और आवश्यक निर्देश भी दिए। जिला मजिस्ट्रेट ने समीक्षा के दौरान बताया कि जनपद के तीनों तहसील मुख्यालयों पर एक–एक पीडब्लूडीदिव्यांग मैनेज्ड बूथ बनाया जाना है। इसी प्रकार सभी विकास खण्डों में एक–एक मॉडल बूथ, नगर पालिका–नगर पंचायतों में एक पिंक और एक मॉडल बूथ बनाया जाएगा। उन्होंने सभी बूथों को बनाने एवं बूथों पर आवश्यक व्यवस्थाओं–सुविधाओं को सुनिश्चित कराने के लिए प्रत्येक बूथ के लिए नोडल अधिकारी नामित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका–नगर पंचायत को इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी से मतदान कार्मिकों का विस्तृत विवरण जाना। उनके रेण्डमाइजेशन, प्रशिक्षण आदि के बारे में भी तैयारियों पर चर्चा की।

महादेव झारखण्डी टुकड़ा नम्बर दो का लैंडयूज आवसीय कराने की मांग

संवाददाता—गोरखपुर। महादेव झारखण्डी टुकड़ा नम्बर दो के विभिन्न मोहल्लों के नागरिकों ने बुधवार को सांसद रवि किशन शुक्ला के केंद्रीय कार्यालय पर पहुंच कर मुलाकात की। मांग किया कि महादेव झारखण्डी टुकडा नम्बर दो का लैंडयूज बदल कर आवासीय किया जाए। सांसद रवि किशन शुक्ला ने कहा कि प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन को कॉल कर इस मामले में प्रगति पूछी। नागरिकों के प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व कर रहे कामेश्वर सिंह ने सांसद को बताया कि महादेव झारखंडी टुकड़ा नं 2 के मोहल्लों में 10 हजार से अधिक मकान बने हुए हैं। उसका भू उपयोग आवासीय नहीं किया गया। जबकि ताल कंदरा जहां कोई विकास नहीं है, उसका भू उपयोग प्राधिकरण ने आवासीय कर दिया। उसके बाद सांसद के निर्देश पर नागरिकों के प्रतिनिधिमण्डल ने प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान तय हुआ कि इसी सप्ताह वे कॉलोनी का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान प्राधिकरण के प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह भी मौके पर मौजूद रहे।

भगवान शिव श्रीराम कथा के आचार्य– रघुबीरदास

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती । श्रीराम कथा के प्रत्येक पात्र जीवन को सहज बनाने का संदेश देते हैं। सृष्टि में जब–जब अनीति, कुबुद्धि, कुविचार का विस्तार होता है ईश्वर विभिन्न रूपों में जन्म लेकर जगत का मार्ग दर्शन करते हैं। संसार में जड़ चेतन जो कुछ भी दृश्य अदृश्य है उसमें परमात्मा का वास है। यह सृष्टि ईश्वर की इच्छा पर संचालित हो रही है। जीव का धर्म है कि वह सहजता से शिव में विलय के लिये अपने आप को इस रूप में प्रस्तुत करे जिससे जीवन और जगत दोनों का कल्याण हो। यह सद् विचार कथा व्यास पूज्य संत स्वामी रघुबीरदास ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में सूत्रपात करते हुये व्यक्त किया।

ऊं नमो भगवते वासदेवाय और हनुमान जी की आराधना से आरम्भ कथा को विस्तार देते हुये महात्मा जी ने कहा कि 'सियाराम मय सब जग जानी' जगत में ऐसा कुछ भी नही जो परमात्मा से भिन्न हो। भक्ति ही नहीं शत्रु भाव से भी जिसने परमात्मा को अपने चित्त में रखा उसका कल्याण हो गया। रावण, कंस, हिरण्यकश्यप सहित अनेक उदाहरण है जिन्हें परमात्मा ने मुक्ति प्रदान किया। महात्मा जी ने शिव तत्व का वर्णन करते हुये कहा कि जहां प्राकृतिक शत्रुता मित्रता में बदल जाय वहीं शिव तत्व सम्भव हो जाता है। महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम कथा कल्प वृक्ष के समान है।

श्रीराम नाम महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम ने रावण और कुछ राक्षसों का वध किया किन्तु श्रीराम का नाम तो

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

युगो युगो से करोड़ो जीवों का उद्धार कर रहे है। इस नाम की महिमा अनन्त है। इस भाव को तो वहीं समझता है जिसके जीवन में भक्ति, करूणा, उदारता का समावेश हुआ हो।

भगवान शिव को श्रीराम कथा का आचार्य बताते हुये महात्मा जी ने कहा कि भगवान शंकर की कृपा के बिना श्रीराम के हृदय में प्रवेश संभव नही है। भक्ति मार्ग में कदम–कदम पर परीक्षा है। भगवान शिव और बीर हनुमान की कृपा से श्रीराम से सम्बन्ध स्थापित होता है। भगवान शिव ने श्रीराम कथा का जो अमृत पृथ्वीवासियों को दिया वह जन मानस का कलुष धो रही है। धर्म हमारे जीवन को पवित्र करता है। जीवन उसी का धन्य है जिसके हृदय में अहिल्या उद्धार और शेबरी के बेर खाने की सहजता है। श्रीराम कथा धन्य है जो मनुष्य को विवेक, त्याग के मार्ग पर चलना सिखाती है।

श्रीराम कथा के प्रथम दिन कथा व्यास का विधि विधान से पूजन करते हुये राना दिनेश प्रताप सिंह और ने कहा कि श्रीराम कथा धरती पर अमृत के समान है। मानस पुस्तक नहीं वरन मानव समाज का मस्तक है। मुख्य यजमान संजीव सिंह, आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह, दिनेश पाण्डेय, जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित, अजय सिंह, अरूण सिंह, मनोज गुप्ता, देवनरायन चौहान, नीरज गुप्ता, रामू, राधेश्याम, इन्द्रपरी सिंह, दीक्षा सिंह, विभा सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

राम मंदिर पहुंची प्रियंका चोपड़ा बोलीं– आज जीवन धन्य हुआ

संवाददाता—अयोध्या। फिल्म अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा बुधवार को अयोध्या पहुंचीं और रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। वे पहली बार अयोध्या पहुंची थीं। उन्होंने सपरिवार रामलला के दर्शन–पूजन किए। प्रियंका चोपड़ा पति निक जोनस के साथ एयरपोर्ट पर उतरीं तो उन्हें देखने के लिए भीड़ जुट गई। एयरपोर्ट से वे सड़क मार्ग से रामलला के दरबार में पहुंचीं। करीब 20 मिनट तक रामलला के दर्शन–पूजन किए। इस दौरान वह भावुक नजर आईं, कहा कि रामलला के दर्शन कर जीवन धन्य हो गया। अयोध्या आना एक सुखद क्षण है। राममंदिर में पुजारी प्रदीप दास ने प्रियंका व उनके पति को रामनामा पहनाकर स्वागत किया। राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ० अनिल मिश्र ने उन्हें रामलला का प्रसाद प्रदान किया। प्रियंका ने राममंदिर परिसर में पति और बच्चे सहित सुरक्षाकर्मी और पुजारी के साथ फोटो शूट भी कराया। इस दौरान प्रियंका ने पीले रंग का सूट और निक ने सफेद रंग का कुर्ता पायजामा पहन रखा था।

मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण के बाद देनी पड़ेगी परीक्षा भी

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में लोकसभा चुनाव को बेहतर तरीके से पूरा करने के लिए मतदान कराने वाले कर्मचारियों को बेहतर तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा। पूर्व में प्रशिक्षण लेने वाले कर्मचारी तनिक भी गफलत में न रहें। उन्हें भी पूरा प्रशिक्षण लेना होगा। प्रशिक्षण के बाद उनका टेस्ट लिया जाएगा। जो टेस्ट में फेल होंगे उनको दुबारा फिर से मतदान कराने के पूरे चौप्टर को पढ़ाया जाएगा। उसके बाद भी परीक्षा ली जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले के दो स्टेट ट्रेनर प्रशिक्षण लेकर लौटे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्हीं स्टेट ट्रेनरों के माध्यम से 55 जिला स्तरीय ट्रेनर तैयार करेंगे। यही 55 ट्रेनर सात हजार से अधिक मतदान कर्मचारियों को चुनावी पाठ पढ़ाएंगे। इसके लिए खाका तैयार किया जा चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशन में जिला स्तर पर पहले 55 मास्टर ट्रेनर तैनात किए जाएंगे। यही मास्टर ट्रेनर एचआरपीजी कालेज में सात से नौ मई के मध्य पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम और द्वितीय को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कराने की जिम्मेदारी जीशान रिजवी और जिला कृषि अधिकारी पीसी विश्वकर्मा को सौंपी गई है। इन दोनों अधिकारियों को जिले में मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन्हीं विशेषज्ञों की अगुवाई में जिले के सभी मतदान कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम में मतदान की प्रकिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। मशीनों को किस प्रकार से ऑन किया जाएगा। ईवीएम के संचालन की पूरे विस्तर से जानकारी दी जाएगी। साथ ही इसका सजीव प्रसारण करा कर दिखाया जाएगा। पूरी तरह से प्रशिक्षित करने के बाद इन कर्मचारियों की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यदि कोई कर्मचारी परीक्षा में पास नहीं होता है तो उसे दोबारा प्रशिक्षित किया जाएगा। उसके बाद फिर से परीक्षा ली जाएगी। इसके लिए सात से 11 मई और 15 से 20 मई का प्रशिक्षण के लिए तिथि प्रस्तावि है।

प्रशिक्षण में देर से पहुंचने वाले कर्मचारियों को रिजर्व तिथि पर दोबारा प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाएगा। इसके अलावा अनुपस्थित और परीक्षा में फेल कर्मचारियों को भी दोबारा बुला कर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील सं०–68

अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

दयाराम

बनाम

मायाराम

मायाराम पुत्र उदयराज साकिन मधवापुर तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–03–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 03 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 14 माह 03 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

बिहार की तरफ से आए बादलों के कारण झमाझम हुई बारिश

संवाददाता—गोरखपुर। बिहार की तरफ से आए बादलों के कारण पूर्वी यूपी में मौसम का मिजाज बदल गया। बुधवार को गरज चमक के साथ छींटे पड़े। तेज हवाएं चलीं। पूर्वांचल में होली से पहले मौसम एक बार फिर यू टर्न ले लिया है। बुधवार को सुबह आसमान में गहरे काले बादल छा गए। बादलों की ऊंचाई अपेक्षाकृत कम रही। बिहार की तरफ से आए बादलों के कारण जिले के अधिकांश हिस्सों में रिमझिम फुहारें गिरी है। बुधवार को सुबह 10:15 बजे करीब हल्की बरसात शुरू हुई। यह आधे घंटे चली। इस दौरान तेज रफ्तार से ठंडी हवाएं चली। मौसम विशेषज्ञ केसी पांडेय ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण मौसम का मिजाज बदला बदला है। झारखंड से एक ट्रफ लाइन आसोम तक जा रही है। इसकी वजह से झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और आसोम में बारिश हो रही है। इसका असर ही पूर्वी यूपी में पड़ा है। पूर्वांचल में बुधवार को आसमान में छाए बादलों की ऊंचाई भी अपेक्षाकृत कम रही।

मनुष्य को निर्भय बनाती है भागवत कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– कुदरहा (बस्ती)। भागवतकथा मनुष्य को अहंकार रहित जीवन जीने की कला सिखाती है। अहंकार विनाश का मुख्य कारण है। व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए। यह बुद्धि व ज्ञान का भी हरण करता है। जो मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है। उक्त उद्गार कुदरहा विकास क्षेत्र के जिभियांव चौराहे पर चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के प्रवचन सत्र में कथावाचक पं शैलेषमणि त्रिपाठी ने व्यक्त किया। कथा को विस्तार देते हुए कहा कि द्वापर युग में भोजवंशी राजा उग्रसेन मथुरा में राज करता था। उसके आतातायी पुत्र कंस ने उसे गद्दी से उतार दिया और स्वयं मथुरा का राजा बन बैठा। कंस की एक बहन देवकी थी जिसका विवाह वसुदेव नामक यदुवंशी सरदार से हुआ।

एक समय कंस अपनी बहन देवकी को उसकी ससुराल पहुंचाने जा रहा था। रास्ते में आकाशवाणी हुई– श्हे कंस, जिस देवकी को तू बड़े प्रेम से ले जा रहा है, उसी में तेरा काल बसेगा। इसी के गर्भ से उत्पन्न आठवां बालक तेरा वध करेगा।श् यह सुनकर कंस वसुदेव को मारने के लिए उद्यत हुआ। तब देवकी ने उससे विनयपूर्वक कहा– श्मेरे गर्भ से जो संतान होगी, उसे मैं तुम्हारे सामने ला दूंगी। कंस ने देवकी की बात मान ली और मथुरा वापस चला आया। उसने वसुदेव और देवकी को कारागृह में डाल दिया। वसुदेव–देवकी के एक–एक करके सात बच्चे हुए और सातों को जन्म लेते ही कंस ने मार डाला। अब आठवां बच्चा होने वाला था। कारागार में उन पर कड़े पहरे बैठा दिए गए। उसी समय नंद की पत्नी यशोदा को भी बच्चा होने वाला था।

उन्होंने वसुदेव–देवकी के दुखी जीवन को देख आठवें बच्चे की रक्षा का उपाय रचा। जिस समय वसुदेव–देवकी को पुत्र पैदा हुआ, उसी समय संयोग से यशोदा के गर्भ से एक कन्या का जन्म हुआ, जो और कुछ नहीं सिर्फ 'माया' थी।

जिस कोठरी में देवकी–वसुदेव कैद थे, उसमें अचानक प्रकाश हुआ और उनके सामने शंख, चक्र, गदा, पद्म धारण किए चतुर्भुज भगवान प्रकट हुए। दोनों भगवान के चरणों में गिर पड़े। तब भगवान ने उनसे कहा– श्अब मैं फिर से नवजात शिशु का रूप धारण कर लेता हूं। इसके पश्चात भगवान कृष्ण अवतरित हुए और नरसंहार किए।

मुख्य यजमान बृजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, शीला देवी, बालकृष्ण त्रिपाठी, प्रेम नारायण, प्रदीप कुमार, राजेंद्र प्रसाद, ऋत्रम, डा सौरभ त्रिपाठी, विजय कुमार, तुषार, विमल कुमार, रत्नेश, रिंकू, पिंकू, आयुष, बलवंत व वैभव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता के लिए निकली प्रभातफेरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। शिवहर्ष किसान पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर में बुधवार को पंचम दिवस का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.रीना पाठक के कर कमलो द्वारा मां सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना से किया गया। स्वयंसेवको द्वारा मतदान जन जागरूकता प्रभात फेरी निकाला गया क्षेत्र वासियों को मतदान हेतु जागरूक करने का प्रयास किया गया । कार्यक्रम का मंच संचालन स्वयं सेविका शचि सिंह द्वारा किया गया । प्राचार्य द्वारा स्वयंसेवकों को एनएसएस तालियां बजाने का अभ्यास कराया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार सिंह ने मतदान जागरूकता पर अपने विचार स्वयंसेवको के समक्ष रखें । डॉक्टर शिवेंद्र मोहन पांडे द्वारा शिक्षा के महत्व को बताया गया। भीमराव अंबेडकर का कथनष् शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो भी पिएगा दहाडेगा ष पर अपने विचार रखें । रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी दिनेश कुमार ने छठे दिन के कार्यक्रम की रूपरेखा से स्वयंसेवको को अवगत कराया । इस कार्यक्रम में अकाउंटेंट दीपक सिंह, सहायक प्राध्यापक डॉक्टर विजय कुमार शुक्ला, डॉक्टर रोहित सिंह, सूर्य प्रताप वर्मा , प्रियेश चौरसिया , शुभम आदि उपस्थित रहे।

राजपती माता प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय गौरा, कलवारी – बस्ती (उ0प्र0)

आवश्यकता है

प्राचार्य (01 पद), स्नातक स्तर पर वनस्पति विज्ञान (01 पद), प्राणि विज्ञान (01 पद), गणित (01 पद), अंग्रेजी (01 पद), संस्कृत (01 पद), एवं गृह विज्ञान (01 पद) योग्यता – यू.जी.सी. एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के परिनियमावली के अनुसार।

अभ्यर्थी विज्ञापन प्रकाशन के 21 दिन के अन्दर अपने सभी अभिलेखों के साथ आवेदन करना सुनिश्चित करें ।

प्रबन्धक

राजपती माता प्रसाद शि०प्र० महिला महाविद्यालय

गौरा कलवारी– जनपद–बस्ती

मो.न. 7705971000

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0,

निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रांकः 456 / वि0पा0मं0(ब0) / निविदा सं0 28,29 / 2023–24 दिनॉकः 20–03–2024

निविदा सं0 28 / वि0पा0मं0(ब0) / 2023–24 जो अधिशाषी अभियन्ता, विद्युत प्रेषण खण्ड–प्रथम, बस्ती के अन्तर्गत विभागीय कार्यों के उपयोग हेतु एक अदद डीजल जीप (बोलेरो) माडल 2017 से 2024 तक चालक सहित 12 माह के लिये किराये पर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।

निविदा सं0 29 / वि0पा0मं0(ब0) / 2023–24 जो विद्युत प्रेषण खण्ड–प्रथम, बस्ती के अधीन उपखण्ड अधिकारी विद्युत प्रेषण उपखण्ड–प्रथम, बस्ती एवं द्वितीय, खलीलाबाद (संतकबीर नगर) के अन्तर्गत विभागीय कार्यों के उपयोग हेतु एक अदद डीजल जीप (बोलेरो) माडल 2017 से 2024 तक चालक सहित 12 माह के लिये किराये पर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में। उपरोक्त निविदाओं से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 15–04–2024 समय 12:00 बजे तक एवं निविदा खुलने की तिथि 15–04–2024 समय 14:00 बजे। यदि किसी कारण वश निविदा के खुलने की तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस को नियत समय पर खोली जायेगी। उपरोक्त निविदा से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र विद्युत पारेषण मण्डल, बस्ती के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 3000.00 आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से UPSEB Electricity Trans.Division Basti के खाता सं0 0587002100008030 पंजाब नेशनल बैंक, गांधीनगर, बस्ती के खाते में जमा करना अनिवार्य होगा। उपरोक्त निविदा के किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कोई कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।

"स्वच्छ एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें"

अधीक्षण अभियन्ता

विद्युत पारेषण मण्डल, बस्ती।

दिनांकः– 20 / 03 / 2024

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 120 / 2023

रशीदुन्निशा आदि–सायलान

1. रशीदुन्निशा उम्र करीब 43 वर्ष पत्नी स्व0 मो0 उमर शाह 2. तवसुम उम्र करीब 10 वर्ष पुत्री स्व0 मो0 उमर शाह 3. आरिफ उम्र करीब 07 वर्ष पुत्र स्व0 मो0 उमर शाह नावालिगान संरक्षिका माता रशीदुन्निशा समस्त निवासीगण साकिन हरिहरपुर तप्पा ऊॅजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–03–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 27–03–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मु0नं0–23 / 2023

दयाशंकर त्रिपाठी

बनाम

विजय कुमार आदि

1. विजय कुमार उम्र 42 वर्ष 2. राज कुमार उम्र 34 वर्ष 3. विश्वदेव उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण भागवत प्रसाद 4. रामशंकर उम्र लगभग 75 वर्ष पुत्र मानिकराम साकिनान मौजा परसा झुगिया तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 26–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com